

UPSC Daily Current Affairs 12 Jul 2021

इस्लाम काला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- भूगोल और IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, तालिबान ने अफगानिस्तान और ईरान के बीच में एक प्रमुख सीमा क्रॉसिंग पर कब्जा कर लिया है जिसे इस्लाम काला क्रॉसिंग कहा जाता है।

इस्लाम काला के बारे में जानकारी



- इसे ऐतिहासिक रूप से काफिर काला कहा जाता है, यह एक अफगानिस्तान के पश्चिम हेरात प्रांत में सीमा वाला शहर है, जो अफगानिस्तान-ईरान की सीमा पर स्थित है।
- यह भूमि के द्वारा पड़ोसी तेबाद, ईरान से आधिकारिक प्रवेश है।
- जहां अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था की बात आती है तो यह एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है क्योंकि अफगानिस्तान और अन्य देशों के बीच में काफी व्यापार इसी शहर के द्वारा होकर जाता है।
- यह ईरान के लिए सबसे बड़े प्रवेश द्वारों में से एक है, जो सरकार के लिए अनुमानित अमेरिकी डॉलर 20 मिलियन का मासिक राजस्व उत्पन्न करता है।

अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- ऐशियाई राजमार्ग 1 (AH1) इस शहर के द्वारा होकर गुजरता है, यह ऐशियाई राजमार्ग नेटवर्क का हिस्सा है जो टोक्यो, जापान से इस्तांबुल के पश्चिम तक जाता है जहां यह E80 से जुड़ जाता है जो लिस्बन तक जाता है।

केसरिया बुद्धा स्तूप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- इतिहास, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व प्रसिद्ध केसरिया बुद्ध स्तूप जो बिहार के चंपारण जिले में स्थित है, में जिले में बाढ़ के बाद पानी भर गया। यह पड़ोसी नेपाल में गंडक नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद हुआ।

केसरिया बुद्ध स्तूप के बारे में जानकारी



- इस परिधि लगभग 400 फीट की है और ऊंचाई लगभग 104 फीट है।
- राष्ट्रीय तौर पर संरक्षित स्तूप का पहला निर्माण 3री शताब्दी ई. पू. में हुआ था।
- इस दुनिया का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप माना जाता है और यह कई बौद्ध देशों से पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

पृष्ठभूमि

- 1814 में कर्नल मैकेंजी द्वारा खोज के बाद प्रारंभिक 19वीं शताब्दी में स्तूप का अन्वेषण कार्य आरंभ हुआ।
- बाद में इसका उत्खनन 1861-62 में जनरल कनिंघम ने और 1998 में पुरातत्ववेत्ता के. के. मुहम्मद के नेतृत्व वाली ASI टीम द्वारा किया गया। उन्होंने इस स्थल का सही तरह से उत्खनन किया।
- मौलिक केसरिया स्तूप के बारे में बताया जाता है कि वह सम्राट अशोक (लगभग 250 ई. पू.) के समय का है क्योंकि अशोक के स्तम्भ के अवशेष यहां पाए गए हैं।
- स्थानीय लोग स्तूप को “देवालय” कहते हैं जिसका अर्थ “देवताओं का घर” है।
- ASI ने इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया है।

उत्तर प्रदेश की नई जनसंख्या नीति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हाल में 2021-2030 के लिए राज्य की जनसंख्या नीति लागू की है।
- यह नीति ऐसे समय में आई है जब उत्तर प्रदेश राज्य कानून आयोग ने प्रस्तावित प्रारूप विधेयक को तैयार किया है जिसके अंतर्गत दो बच्चों के नियम का क्रियान्वयन और बढ़ावा दिया जाएगा।

2021-2030 के लिए राज्य की जनसंख्या नीति के बारे में जानकारी

नई नीति का लक्ष्य है

- 2026 तक प्रजनन दर को 2.7 से 2.1 तक लाना और 2030 तक 1.7 तक लाना।
- 2026 तक आधुनिक गर्भनिरोधक प्रसार को 31.7% से 45% तक और 2030 तक 52% तक बढ़ाना।
- 2026 तक गर्भनिरोधक प्रयोग की पुरुष विधियों को 10.8% से 15.1% तक और 2030 तक 16.4% तक बढ़ाना।
- मातृत्व मृत्यु दर को 197 से घटाकर 150 और फिर 98 करना।
- बाल मृत्यु दर को 43 से घटाकर 32 और फिर 22 करना।

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- पांच वर्ष के अंदर की बाल मृत्यु दर को 47 से 35 और फिर 25 करना।

जनसंख्या स्थिरीकरण

- यह वह अवस्था है जब जनसंख्या का आकार समान रहता है। इसे शून्य जनसंख्या वृद्धि की अवस्था भी कहा जाता है।
- देशस्तरीय जनसंख्या स्थिरीकरण उस समय होता है जब जन्म प्लस आंतरिक प्रवासन मृत्यु प्लस बाह्य प्रवासन के बराबर हो जाता है।
- इसलिए, विस्थापन स्तर की प्रजनन को हासिल करने के बीच में कई दशकों का अक्सर अंतराल होता है अर्थात 2.1 का TFR (प्रति दंपति दो बच्चे) और जनसंख्या स्थिरीकरण।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के अनुसार, भारत ने 2045 तक जनसंख्या स्थिरीकरण के बड़े लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है।

जनसंख्या स्थिरीकरण की जरूरत

- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामले के विभाग के अनुमानों के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2030 तक 1.5 अरब तक पहुंच जाएगी और 2050 तक 1.64 अरब के स्तर को हासिल कर लेगी।
- इससे भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा देश बन जाएगा।
- वर्तमान में, भारत के पास वैश्विक स्थल क्षेत्र का मात्र 2.45% और 4% जल संसाधन हैं लेकिन दुनिया की जनसंख्या की 16% भारत में निवास करती है।
- वैश्विक तौर पर, जनसंख्या विस्फोट पर चर्चा उस समय शुरू हुई जब हाल के पारितंत्र प्रणाली आकलनों ने अन्य प्रजातियों के लुप्त होने और संसाधन की कमियों के बढ़ने में मानव जनसंख्या की भूमिका की ओर इंगित किया।

संवैधानिक प्रावधान

- 2026 तक संसद में सीटों का राज्यवार आवंटन पर रोक को संविधान (84वां संविधान) कानून, 2002 द्वारा बढ़ा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य के लिए प्रेरणादायी उपायों के रूप में कार्य करना है। यह वह लक्ष्य है जिसे हासिल नहीं किया जा सका है।
- आगे विस्तार की अनुपस्थिति में, यह राजनीतिक तौर पर अस्थिर करने वाला होगा।

सरकार द्वारा पहल

<p>Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)</p>	<p>Access to All Structured Courses & Test Series</p>	<p>ENROL NOW</p>
---	---	-------------------------

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत लक्ष्य

- MMR को 1/1000 जीवित जन्मों तक घटाना
- IMR को 25/1000 जीवित जन्मों तक घटाना
- TFR को 2.1 तक घटाना

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (NPP)

- इसे वर्ष 2000 में तैयार किया गया था जिसका तुरंत उद्देश्य गर्भनिरोधक, स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य कर्मचारियों की न पूरी हुई जरूरतों को सुलझाना था। साथ ही मूलभूत प्रजनन और और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत सेवा डिलीवरी को उपलब्ध कराना भी है।
- इसका मध्यम अवधि उद्देश्य 2010 तक TFR को विस्थापन स्तरों पर लाना था, इसके लिए अंतर-क्षेत्रीय ऑपरेशनल रणनीतियों के जोरदार क्रियान्वयन का प्रयोग किया जाना था।
- इसका दीर्घावधि उद्देश्य 2045 तक स्थिर जनसंख्या को प्राप्त करना है, यह वह स्तर है जो सतत आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण की जरूरतों के साथ सुसंगत होगा।

राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग (NCP)

- राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग (NCP) का गठन मई 2000 में किया गया था, जिसका लक्ष्य राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 के उद्देश्यों को पूरा करना था।
- इस आयोग का उद्देश्य राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (NPP) 2000 के क्रियान्वयन के लिए समीक्षा करना, निगरानी करना और दिशा-निर्देश देना है।
- इसका लक्ष्य नीति में रेखांकित लक्ष्यों के साथ काम करना है जिससे अंतर-क्षेत्रीय समन्वयन को प्रोत्साहित किया जा सके, योजना और क्रियान्वयन में नागरिक समाज को शामिल किया जा सके, देश में जनसांख्यिकीय रूप से कमजोर राज्यों में प्रदर्शन में सुधार के लिए पहलों को सुगम बनाया जा सके और राष्ट्रीय जनसंख्या नीति में निर्धारित किए गए लक्ष्यों के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण किया जा सके।

सिरिशा बांदला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

<p>Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)</p>	<p>Access to All Structured Courses & Test Series</p>	<p>ENROL NOW</p>
---	---	-------------------------

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सिरिशा बांदला, ब्रेंसन के वर्जिन गैलेक्टिक में सरकारी मामलों और अनुसंधान प्रचालनों की उपाध्यक्ष।
- वह भारतीय मूल की तीसरी महिला बन गई- NASA की अंतरिक्षयात्रियों कल्पना चावला और सुनीती विलियम्स के बाद जिसने अंतरिक्ष में उड़ान भरी।



संबंधित सूचना

यूनिटी 22 मिशन के बारे में जानकारी

- यूनिटी 22" वर्जिन गैलेक्टिक की अगली रॉकेट संचालित उसके अंतरिक्षयान VSS यूनिटी की परीक्षण उड़ान होगी।
- यह पहली उड़ान होगी जो केबिन में दो पाइलटों और चार मिशन विशेषज्ञों को लेकर जाएगी जिसमें वर्जिन समूह के संस्थापक रिचर्ड ब्रेंसन भी शामिल होंगे, जो निजी अंतरिक्षयात्री के अनुभव का परीक्षण करेंगे।

मिशन के उद्देश्य:

- यह केबिन और ग्राहक अनुभव के परीक्षण पर केंद्रित होगा।
- इसके बाद, वह ह्यूस्टन गई जहां वे संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने माता-पिता से मिलें। सिरिशा के माता-पिता जो अमेरिकी सरकार में कर्मचारी हैं, वर्तमान में भारत में तैनात हैं।

अंतरिक्ष पर्यटन के बारे में जानकारी

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- अंतरिक्ष पर्यटन से आशय मनोरंजन के उद्देश्य से मानवों द्वारा अंतरिक्ष में यात्रा करने से है।
- यह सामान्य लोगों को मनोरंजन, आराम अथवा व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष में जाने की क्षमता प्रदान करता है।
- यह उन लोगों के लिए अंतरिक्ष को और पहुँच वाला बना देगा जो अंतरिक्षयात्री नहीं हैं और गैर-वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष में जाना चाहते हैं।

निजी कंपनियां भी शामिल

- तीन निजी कंपनियां- ब्लू ओरिजिन, वर्जिन गैलेक्टिक और स्पेसएक्स अब अंतरिक्ष के अन्वेषण के लिए मानव प्रयासों में सहायता दे रही हैं।
- उनकी प्रगति यह निर्णय देगी कि क्या अंतरिक्ष यात्रा एक दिन वायुयात्रा की तरह ही लोगों के पहुँच के अंदर आ जाएगी।

हिमालियाई याकों का बीमा होगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में दिरांग में याक पर राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र (NRCY) ने याकों के बीमा के लिए राष्ट्रीय बीमा कंपनी लि. से समझौता किया है।
- बीमा पॉलिसी याक के मालिकों को मौसम आपदाओं, रोगों, ले जाने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं, सर्जिकल ऑपरेशनों और हड़तालों अथवा दंगों द्वारा पैदा होने वाले जोखिमों के खिलाफ संरक्षण प्रदान करेगी।

जंगली याक (बोस गुन्निऐंस) के बारे में जानकारी



- ये तिब्बत पठार और साथ में लगे हुए ऊंचाई वाले क्षेत्रों के स्थानिक जानवर हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN लाल सूची दर्जा: कमजोर
- CITES के परिशिष्ट I के अंतर्गत अधिसूचित
- 1972 का भारतीय वन्यजीवन (संरक्षण) कानून : अनुसूची II

भीमकाय पांडा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भीमकाय पांडा के IUCN वर्गीकरण को संकटग्रस्त से परिवर्तित करके कमजोर कर दिया गया।
- यह नया वर्गीकरण अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा अपनी संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची से जानवर को हटाकर 2016 में कमजोर की सूची में डालने के कई वर्षों के बाद आया है।

भीमकाय पांडा के बारे में जानकारी

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW



- भीमकाय पांडा को पांडा बियर भी कहा जाता है।
- यह दक्षिण मध्य चीन का स्थानिक जानवर है।
- भीमकाय पांडा पर्णाहारी होता है, वह अपने भोजन के 99% हिस्से की पूर्ति बांस की शाखाओं और पत्तियों को खाकर पूरा करता है।
- भीमकाय पांडा मध्य चीन में कुछ पर्वतीय श्रृंखलाओं में निवास करता है, मुख्य रूप से सिचुआन में, साथ ही पड़ोसी सांक्शी और गांसू में भी रहता है।

संबंधित सूचना

लाल पांडा के बारे में जानकारी



- लाल पांडा छोटा लाल-भूरे रंग का पेड़ों में रहने वाला जानवर है।

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

- यह सिक्किम का राज्य पशु भी है।

संरक्षण की स्थिति

- यह संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची में **संकटग्रस्त** के रूप में अधिसूचित है।
- यह भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) कानून, 1972 की अनुसूची I के अंतर्गत संरक्षित है।
- यह भारत, नेपाल, भूटान और म्यांमार के उत्तरी पर्वतों एवं दक्षिणी चीन में पाया जाता है।

महिला दो वैरिंटों से संक्रमित पाई गई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक 90 वर्षीय महिला जो कोविड-19 से संक्रमित होकर बीमार होने के बाद मर गई, एक ही समय में कोरोनावायरस के अल्फा और बीटा वैरिंटों से संक्रमित पाई गई। साथ ही उत्तर प्रदेश में कोविड कप्पा वैरिंट के दो मामले भी पाए गए हैं।

संबंधित सूचना

- अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा- जिन्हें चिंता के वैरिंटों के रूप में नामांकित किया गया है और उन्हें बड़ा खतरा माना गया है।
- इन्हें हाल में उनके जन्म लेने के देश के साथ जुड़ाव से बचने के लिए ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों पर नामकरण किया गया है, जैसा कि अभी तक हो रहा था।

कोविड-19 का कप्पा वैरिंट

- यह वंशावली B.1.617 की तीन उपवंशालियों में से एक है। इसे वंशावली B.1.617 भी कहा जाता है जो E484Q उत्परिवर्तनों को साथ में रखता है।
- इसे पहली बार दिसंबर 2020 में भारत में पहचाना गया था। कप्पा मार्च 2021 से भारत से सौंपे गए आधे से भी ज्यादा अनुक्रम हैं।
- WHO के सप्ताहवार महामारीविज्ञान अद्यतन के अनुसार, 34 देशों ने इस उप वैरिंट के मामलों की रिपोर्ट की है।

- मई 2021 तक, देशों की संख्या बढ़कर 41 हो गई। यूनाइटेड किंगडम ने मई 2021 तक SARS-CoV-2 कप्पा वैरिएंट के 418 पुष्टि वाले मामलों की पहचान की है।

डेल्टा वैरिएंट

- इस वैरिएंट को B.1.617.2 भी कहा जाता है।
- इस वैरिएंट की पहली बार खोज भारत में की गई थी। यह वंशावली B.1.617 की उत्तराधिकारी है। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने B.1.617.2 को 6 मई, 2021 को “चिंता का वैरिएंट” घोषित किया था।
- यह वायरस के मौलिक वर्जन की अपेक्षा तेजी से फैलता है और अल्फा के बराबर ही तेजी से फैल सकता है। इसमें T478K, L452R और P681R उत्परिवर्तन पाए जाते हैं।

आगे पढ़ने के लिए : 7 जुलाई 2021 का DCA पढ़ें

2020 सहस्राब्दी तकनीकी पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में 2020 सहस्राब्दी तकनीकी पुरस्कार जिसकी घोषणा मई में की गई, शंकर बालासुब्रमण्यम और डेविड क्लेनेरमैन को दिए गए। ये पुरस्कार उन्हें क्रांतिकारी डीएनए अनुक्रमण तकनीकों के विकास के लिए दिया गया।

सहस्राब्दी तकनीकी पुरस्कार के बारे में जानकारी



- TAF ने 2003 में फिन्निश तकनीकी पुरस्कार फाउंडेशन के नाम के अंतर्गत संचालन प्रारंभ किया।
- 2005 में, नाम परिवर्तित करके सहस्राब्दी पुरस्कार फाउंडेशन कर दिया गया।
- नाम को परिवर्तित करके 2008 में तकनीकी अकादमी फिनलैंड कर दिया गया।
- इसे 2004 से दो वर्षों के अंतराल पर प्रदान किया जाता है।
- पूर्व के विजेताओं में टिम बर्नर्स-ली (वर्ल्ड वाइड वेब के क्रियान्वयन के लिए) और फ्रांसेस अर्नाल्ड (प्रयोगशाला स्थितियों में निर्देशित विकास पर उनका कार्य) शामिल हैं।
- बाद में ग्यारह में 3 विजेताओं ने नोबेल पुरस्कार हासिल किया है।

सोबेराना 2 टीका

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- क्यूबा के राज्य संचालित निगम, बायोफार्मा ने हाल में घोषणा की कि उनकी स्वदेशी तौर पर निर्मित सोबेराना 2 टीका चरण-3 के परीक्षणों में 91.2% सक्षम था।
- क्यूबा का अन्य टीका, अब्दाल, ने बाद के चरण के परीक्षणों में 92.8% की क्षमता दर्शाई है।

संयुग्म टीकों के बारे में जानकारी

**Gradeup UPSC Exams
Super Subscription**
(UPSC CSE & UPSC EPFO)

Access to All
Structured Courses
& Test Series

ENROL NOW

Subunit vaccines of Cuba

- In Abdala, the spike protein of the coronavirus is combined with a chemically manufactured adjuvant
- In Soberana 2, the spike protein is chemically linked to the tetanus toxoid, making it a conjugate vaccine

• In a subunit vaccine, a part of the virus forms the antigen, and it is hitched on to another construct



SOBERANA02

- यह एक पदार्थ है पॉलीसैकराइड एंटीजेन से मिलकर बना है जिसे एक वाहक अणु के साथ संयुक्त कर दिया गया है।
- यह टीके की स्थिरता और प्रभावीपन को उन्नत कर देता है।
- यह वाहक के रूप में कमजोर एंटीजेन को शक्तिशाली एंटीजेन के साथ संयोजित कर देता है जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर एंटीजेन के खिलाफ शक्तिशाली प्रतियुत्तर हो।

संयुग्म टीकों की कार्यप्रणाली

- कुछ रोगकारी बैक्टीरिया के एंटीजेन प्रतिरक्षा प्रणाली से शक्तिशाली प्रतियुत्तर नहीं हासिल करते हैं, इसलिए इस कमजोर एंटीजेन के लिए टीकाकरण बाद की जिंदगी में व्यक्ति को संरक्षित नहीं करेगा।
- इस मामले में, एक संयुग्म टीके का प्रयोग किया जाता है जिससे कमजोर एंटीजेन के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रणाली का प्रतियुत्तर हासिल हो सके।
- कमजोर एंटीजेन सहसंयोजक तरीके से शक्तिशाली एंटीजेन के साथ जुड़ जाता है, जिससे कमजोर एंटीजेन को शक्तिशाली प्रतिरक्षात्मक प्रतियुत्तर प्राप्त होता है।
- सबसे सामान्य तौर पर, कमजोर एंटीजेन पॉलीसैकराइड है जो एक मजबूत प्रोटीन एंटीजेन से जुड़ जाता है।
- इसे सामान्य तौर पर टीके में कमजोर अथवा रोगकारी बैक्टीरिया अथवा वायरस के मृत वर्जन से हासिल किया जाता है जिससे बाद की जिंदगी में प्रतिरक्षा प्रणाली एंटीजेन को पहचान ले।